पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

केन्द्रीय रक्षा मंत्री तथा मुख्यमंत्री ने लखनऊ छावनी में लगभग 101 करोड़ रु0 लागत की 12 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया

लखनऊ छावनी में हो रहा विकास केवल ईंट, सीमेंट और मशीनों का विकास नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास : केन्द्रीय रक्षा मंत्री

आज की 12 परियोजनाएं केवल 12 परियोजनाएं नहीं, बल्कि 12 संकल्प

विकसित भारत का अर्थ कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, प्रत्येक परिवार के घर में साफ पानी पहुंचे, नौजवानों को खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले तथा दिव्यांग बच्चे यह महसूस न करें कि वह समाज से पीछे है

विकास केवल इमारतों में नहीं, बल्कि हमारी पहचान में होना चाहिए

लखनऊ छावनी परिषद ने ब्रिटिश काल से चले आ रहे कुछ बाजारों के नाम बदलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक चेतना और राष्ट्र सेवा से जुड़े महान व्यक्तित्वों के नाम किये गये

विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री जी तथा केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी के मार्गदर्शन में उ0प्र0 ने सुरक्षा और सुशासन की नई यात्रा तय की : मुख्यमंत्री

आज की विकास परियोजनाएं लखनऊ छावनी परिषद को एक आदर्श छावनी परिषद बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

आज लखनऊ अपनी पुरानी विरासत के साथ–साथ आधुनिक स्मार्ट सिटी के रूप में नई पहचान बना चुका

स्मार्ट रोड, सी0एम0 ग्रिड की सड़कें और आउटर रिंग रोड जैसी सुविधाएं लखनऊ को नई गति दे रही

लखनऊ भारत की रक्षा आवश्यकता और आत्मनिर्भरता की दृष्टि से ब्रह्मोस जैसी आधुनिक मिसाइलों का केन्द्र

विगत 09 वर्षों में उ0प्र0 को एक नई दिशा देने का प्रयास किया गया

उ0प्र0 अब भारत की इकोनॉमी का एक ब्रेक–थ्रू बनकर ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा

उ0प्र0 अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जा रहा, देश के एक्सप्रेस–वे नेटवर्क में लगभग 60 प्रतिशत नेटवर्क उ0प्र0 के पास

लखनऊ : 30 अगस्त, 2026

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने लखनऊ छावनी को मॉडल छावनी के रूप में विकसित करने के

उद्देश्य से आज लखनऊ छावनी में लगभग 101 करोड़ रुपये लागत की 12 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन सुना गया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ छावनी के विकास से सम्बन्धित तथा भविष्योन्मुखी परियोजनाओं पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज आज लखनऊ की ऐतिहासिक धरती पर लखनऊ कैन्टोनमेन्ट बोर्ड में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया जा रहा है। वह इन परियोजनाओं को केवल निर्माण कार्यों की सूची के रूप में नहीं देखते, बल्कि लखनऊ छावनी के भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखते हैं। आज की 12 परियोजनाएं केवल 12 परियोजनाएं नहीं, बल्कि 12 संकल्प हैं। यह संकल्प स्वच्छ छावनी, बेहतर पानी, बच्चों को बेहतर शिक्षा, दिव्यांग बच्चों को समान अवसर, युवाओं को खेल का बेहतर मंच, परिवारों को सम्मानजनक सार्वजनिक सुविधाएं, यातायात एवं पार्किंग को व्यवस्थित करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक छावनी बनाने का है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि लक्ष्य केवल आज की समस्याओं का समाधान करना नहीं है, बल्कि ऐसी लखनऊ छावनी का निर्माण करना है, जिसे आने वाली पीढ़ी पीछे मुड़कर देखकर कहे कि हमारे समय में लखनऊ छावनी ने विकास की एक नई छलांग लगाई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लखनऊ छावनी परिषद, सेना, रक्षा मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार, उद्योग जगत और यहां के नागरिक मिलकर इस संकल्प को पूरा करेंगे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि लखनऊ की गति और प्रगति को वह पूरे उत्तर प्रदेश की गति और प्रगति से जोड़कर देखते हैं। लखनऊ के विकास में सबसे बड़ा सहयोग मुख्यमंत्री जी का प्राप्त हुआ है। प्रदेश सरकार, रक्षा मंत्रालय और उद्योग जगत मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। जब केन्द्र और राज्य सरकार की सोच एक दिशा में चलती है, तो विकास की गति स्वाभाविक रूप से कई गुना बढ़ जाती है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी–बड़ी परियोजनाएं और आर्थिक इमारतें नहीं हैं। विकसित भारत का अर्थ है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, प्रत्येक परिवार के घर में साफ पानी पहुंचे, नौजवानों को खेलने और

अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले तथा दिव्यांग बच्चे यह महसूस न करें कि वह समाज से पीछे हैं। विकास की यात्रा बड़े शहरों से शुरू होकर हर मोहल्ले, बस्ती और परिवार तक पहुंचनी चाहिए।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि समय बदलता है, शहर बदलते हैं और लोगों की जरूरतें भी बदलती हैं। इसलिए नियमों में भी बदलाव आवश्यक है। लखनऊ सहित छावनी क्षेत्रों में नए बिल्डिंग बायलॉज लागू किए गए हैं। जहां पहले जी प्लस टू अर्थात तीन मंजिलों की व्यवस्था थी, वहीं अब स्टिल्ट प्लस ग्राउण्ड प्लस थ्री अर्थात पांच मंजिला भवनों का प्राविधान किया गया है। यह बदलाव उन परिवारों के लिए नई सम्भावनाएं लेकर आया है, जो अपनी बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अपने घर को विकसित करना चाहते हैं।

विकास केवल इमारतों में नहीं होता, बल्कि हमारी पहचान में भी होना चाहिए। लखनऊ छावनी परिषद ने ब्रिटिश काल से चले आ रहे कुछ बाजारों के नाम बदलकर उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक चेतना और राष्ट्र सेवा से जुड़े महान व्यक्तित्वों के नाम दिए हैं। रॉयल आर्टिलरी बाजार का नाम एकता बाजार, ब्रिटिश कैवलरी बाजार का नाम ऊदा देवी बाजार, ब्रिटिश इन्फैन्ट्री बाजार का नाम मातादीन वाल्मीकि बाजार तथा एक अन्य ब्रिटिश इन्फैन्ट्री बाजार का नाम मंगल पाण्डे बाजार रखा गया है। कैनेडी मार्केट का नाम अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर रखा गया है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि नाम बदलना केवल बोर्ड बदलना नहीं है, बल्कि स्मृति और याददाश्त को बदलना है। जब कोई बच्चा ऊदा देवी बाजार से गुजरेगा तो उसके मन में यह सवाल आएगा कि ऊदा देवी कौन थीं और उनके बारे में पढ़ते हुए उसे सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की उस वीरांगना की कहानी मिलेगी, जिन्होंने लखनऊ में अंग्रेजों के विरुद्ध साहसपूर्ण संघर्ष किया था। मातादीन वाल्मीकि का नाम स्वतंत्रता संग्राम में वंचित और श्रमिक वर्गों की भूमिका की याद दिलाता है। मंगल पाण्डे साहस और प्रतिरोध के प्रतीक हैं, वहीं अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम राष्ट्र सेवा, जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा देता है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि लखनऊ छावनी में हो रहा विकास केवल ईंट, सीमेंट और मशीनों का विकास नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास है। कहीं घर तक पानी पहुंचाने का प्रयास है, कहीं बच्चों को शिक्षा और अवसर

देने का, कहीं जरूरतमंदों को इलाज उपलब्ध कराने का तथा कहीं युवाओं के खेल और भविष्य को नई दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने लखनऊ छावनी परिषद की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह दिखाया है कि यदि सोच तथा लक्ष्य स्पष्ट हो और काम करने की इच्छा हो तो सीमित संसाधनों के बीच भी बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। छावनी परिषद की पूरी टीम विकास की यही गति आगे भी बनाए रखे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारी निभा रही है, लेकिन नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। सभी मिलकर ऐसी लखनऊ छावनी बनाएं, जहां विकास दिखाई दे, सुविधाएं महसूस हों, हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान हो, हर परिवार को भरोसा हो और हर नागरिक गर्व से कहे–'यह मेरी छावनी है, यह मेरा लखनऊ है और यह नए भारत की पहचान है।'

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने सुरक्षा और सुशासन की नई यात्रा तय की है। आज लखनऊ अपनी पुरानी विरासत के साथ–साथ आधुनिक स्मार्ट सिटी के रूप में नई पहचान बना चुका है। स्मार्ट रोड, सी0एम0 ग्रिड की सड़कें और आउटर रिंग रोड जैसी सुविधाएं लखनऊ को नई गति दे रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ में ऊदा देवी पासी और महाराजा बिजली पासी की स्मारक धरोहर है। लखनऊ भारत की रक्षा आवश्यकता और आत्मनिर्भरता की दृष्टि से ब्रह्मोस जैसी आधुनिक मिसाइलों का केन्द्र भी बन रहा है। लखनऊ की चिकनकारी की अद्भुत कला के साथ–साथ यूनेस्को द्वारा यहां के कुजीन को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' के रूप में मान्यता दी गई है। इन कार्यों से लखनऊ को एक नई ऊंचाई मिली है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी की प्रेरणा से आज छावनी परिषद में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट की ए0आई0 आधारित व्यवस्था तथा स्कूल में अभ्युदय कोचिंग की शुरुआत हो रही है। इस वर्ष के अन्त तक गोमती नदी को पूरी तरह स्वच्छ बनाने का लक्ष्य है और सेण्ट्रल कमाण्ड ने गोमती नदी की स्वच्छता, अविरलता एवं निर्मलता के लिए प्रदेश सरकार के साथ पूरा सहयोग दिया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ छावनी को आधुनिक एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छावनी परिषद के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यहां रहने वाले

सैन्यकर्मियों, पूर्व सैनिकों और सिविलियन नागरिकों को महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इन सुविधाओं के लिए केन्द्रीय रक्षा मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय के प्रति प्रदेश सरकार की ओर से आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश को एक नई दिशा देने का प्रयास किया गया है। वर्ष 2017 से पहले जिस प्रदेश के सामने पहचान का संकट, अभाव, अराजकता, अव्यवस्था और उपद्रव की स्थिति थी, आज वह प्रदेश इन सब से उबर चुका है। उत्तर प्रदेश अब भारत की इकोनॉमी का एक ब्रेक–थ्रू बनकर ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा तथा केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के 06 नोड्स विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भी जाना जा रहा है। देश के एक्सप्रेस–वे नेटवर्क में लगभग 60 प्रतिशत नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है। देश की पहली रैपिड ट्रेन और पहला वॉटर–वे उत्तर प्रदेश में प्रारम्भ हुआ है। प्रदेश में वर्तमान में 17 हवाई अड्डे क्रियाशील हैं, जिनमें 05 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट हैं। प्रदेश में मेट्रो की बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध है। लखनऊ मेट्रो के सेकेण्ड फेज को भारत सरकार से स्वीकृति दिलाने के लिए उन्होंने केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सैनिक स्कूलों की परम्परा की शुरुआत डॉ0 सम्पूर्णानन्द जी ने वर्ष 1960 में की थी। आज प्रदेश में कई सैनिक स्कूल युवाओं को वर्तमान ही नहीं, बल्कि भावी भारत की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार कर रहे हैं। आज की विकास परियोजनाएं लखनऊ छावनी परिषद को एक आदर्श छावनी परिषद बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने लखनऊ को अनेक बड़ी परियोजनाओं से सजाने–संवारने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री जी ने सभी परियोजनाओं को गति देते हुए लखनऊ के विकास की नई रेखा खींचने का कार्य किया है। लखनऊ आज तेजी से विकसित हो रहा है और दूसरे शहरों से आने वाले लोग कहते हैं कि 'लखनऊ जैसा कोई नहीं।' लखनऊ के लिए पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जो सपना देखा था, उसे पूरा करने और आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। लखनऊ में दर्जनों की संख्या में फ्लाईओवर, रेलवे स्टेशन, हवाई

अड्डे, अस्पताल, स्कूल और कोचिंग की सुविधा उपलब्ध हो रही है। यह लखनऊवासियों और कैन्टवासियों के लिए एक बड़ा उपहार है।

समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने कहा कि राज्य का सबसे बड़ा दायित्व अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। उन्होंने बाहरी आक्रमण एवं दुश्मनों से देश की रक्षा के लिए केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी के योगदान की सराहना की तथा मुख्यमंत्री जी को आन्तरिक सुरक्षा के खतरों, अपराधियों और गुण्डों–माफिया से प्रदेश को बचाने के लिए किए गए कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। लखनऊ छावनी में नए सैनिक तैयार हों और बच्चे आगे बढ़ें, इसके लिए मंगलादेवी जूनियर हाईस्कूल में मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग की शुरुआत की जा रही है। करीब 105 बच्चों का पंजीकरण हो चुका है। पहले चरण में एन0डी0ए0 और सी0डी0एस0 की तैयारी कराई जाएगी। शीघ्र ही नीट और जे0ई0ई0 की कोचिंग भी प्रारम्भ की जाएगी। निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग की दिशा में आगे बढ़ते हुए ऐसा प्रयास किया जा रहा है कि प्रदेश में कहीं भी रहने वाला बेटा–बेटी मोबाइल अथवा डिवाइस के माध्यम से पढ़ सके।

कार्यक्रम को महानिदेशक रक्षा सम्पदा श्रीमती शोभा गुप्ता ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल देव अग्रवाल, सांसद डॉ0 दिनेश शर्मा, श्री संजय सेठ, विधायकगण, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, जनरल ऑफिसर कमाण्डिग–इन–चीफ मध्य कमान लेफ्टिनेन्ट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Lucknow Cantonment Board Projects Shilanyas Programme-30 August, 2026